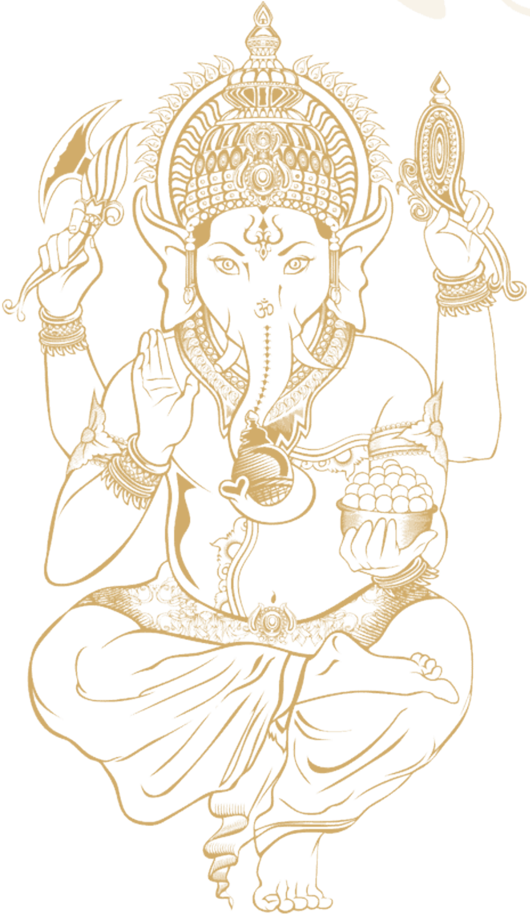

Ashish

23 Mar 2001

05:35 PM

Azamgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121018302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/03/2001**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:35:00 घंटे**
इष्ट	29:01:01 घटी
स्थान	**Azamgarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:03:00 उत्तर
रेखांश	83:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:37:40 घंटे
वेलान्तर	-00:06:36 घंटे
साम्पातिक काल	05:41:52 घंटे
सूर्योदय	05:58:35 घंटे
सूर्यास्त	18:09:43 घंटे
दिनमान	12:11:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	09:03:00 मीन
लग्न के अंश	02:02:56 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुभ
करण	शकुनि
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेनजित
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	02:02:56	324:31:02	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			मीन	09:03:00	00:59:32	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	21:29:50	12:09:06	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल			वृश्चि	23:30:49	00:24:30	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	स्वराशि
बुध			कुंभ	14:23:11	01:24:26	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु			वृष	12:19:15	00:09:35	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र	व		मीन	19:40:13	00:32:36	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि			वृष	03:04:51	00:05:36	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	18:05:22	00:12:25	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	उच्च राशि
केतु	व		धनु	18:05:22	00:12:25	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	उच्च राशि
हर्ष			मक	29:14:13	00:02:52	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप			मक	14:16:47	00:01:30	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:24:05	00:00:11	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	01:57:52	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:10

लग्न-चलित

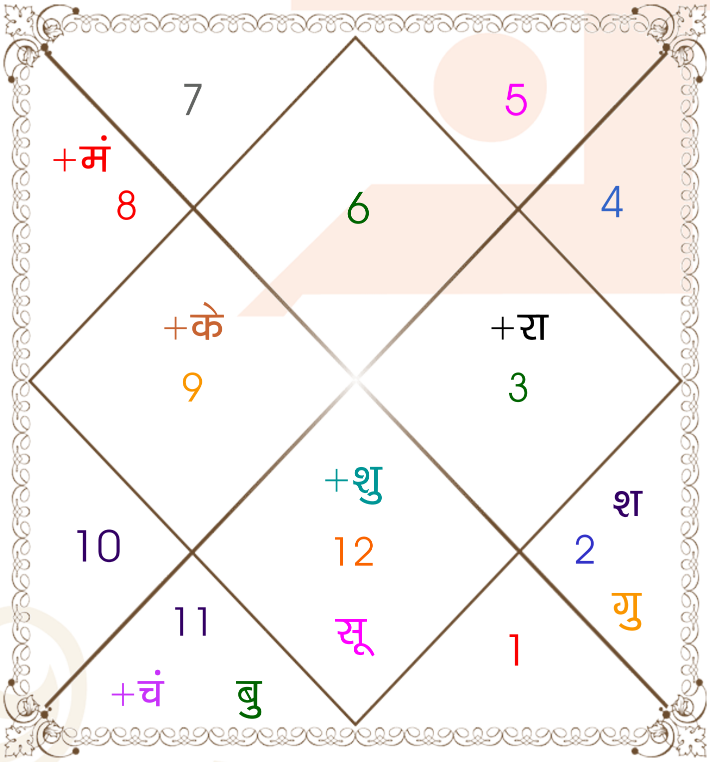

चन्द्र कुंडली

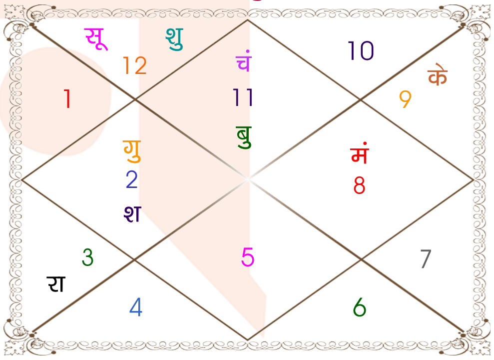

नवमांश कुंडली

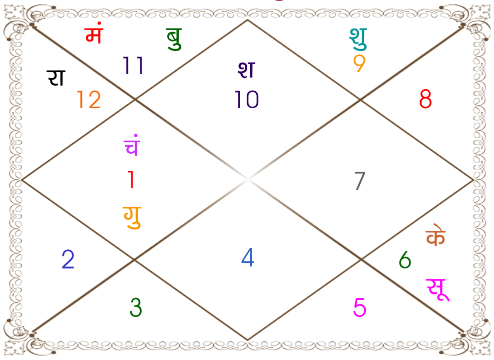

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 14 वर्ष 2 मास 13 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
23/03/2001	**06/06/2015**	**06/06/2034**	**06/06/2051**	**06/06/2058**
06/06/2015	**06/06/2034**	**06/06/2051**	**06/06/2058**	**06/06/2078**
गुरु 24/07/2001	शनि 09/06/2018	बुध 01/11/2036	केतु 02/11/2051	शुक्र 05/10/2061
शनि 05/02/2004	बुध 16/02/2021	केतु 30/10/2037	शुक्र 01/01/2053	सूर्य 06/10/2062
बुध 12/05/2006	केतु 28/03/2022	शुक्र 30/08/2040	सूर्य 09/05/2053	चंद्र 05/06/2064
केतु 18/04/2007	शुक्र 27/05/2025	सूर्य 06/07/2041	चंद्र 08/12/2053	मंगल 05/08/2065
शुक्र 17/12/2009	सूर्य 09/05/2026	चंद्र 05/12/2042	मंगल 06/05/2054	राहु 05/08/2068
सूर्य 06/10/2010	चंद्र 09/12/2027	मंगल 03/12/2043	राहु 25/05/2055	गुरु 06/04/2071
चंद्र 05/02/2012	मंगल 17/01/2029	राहु 21/06/2046	गुरु 30/04/2056	शनि 06/06/2074
मंगल 10/01/2013	राहु 24/11/2031	गुरु 26/09/2048	शनि 09/06/2057	बुध 06/04/2077
राहु 06/06/2015	गुरु 06/06/2034	शनि 06/06/2051	बुध 06/06/2058	केतु 06/06/2078

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
06/06/2078	**05/06/2084**	**06/06/2094**	**07/06/2101**	**07/06/2119**
05/06/2084	**06/06/2094**	**07/06/2101**	**07/06/2119**	**00/00/0000**
सूर्य 23/09/2078	चंद्र 06/04/2085	मंगल 02/11/2094	राहु 18/02/2104	गुरु 24/03/2121
चंद्र 25/03/2079	मंगल 05/11/2085	राहु 20/11/2095	गुरु 13/07/2106	00/00/0000
मंगल 31/07/2079	राहु 07/05/2087	गुरु 26/10/2096	शनि 19/05/2109	00/00/0000
राहु 24/06/2080	गुरु 05/09/2088	शनि 05/12/2097	बुध 07/12/2111	00/00/0000
गुरु 12/04/2081	शनि 06/04/2090	बुध 02/12/2098	केतु 24/12/2112	00/00/0000
शनि 25/03/2082	बुध 05/09/2091	केतु 01/05/2099	शुक्र 25/12/2115	00/00/0000
बुध 29/01/2083	केतु 05/04/2092	शुक्र 01/07/2100	सूर्य 18/11/2116	00/00/0000
केतु 06/06/2083	शुक्र 05/12/2093	सूर्य 05/11/2100	चंद्र 20/05/2118	00/00/0000
शुक्र 05/06/2084	सूर्य 06/06/2094	चंद्र 07/06/2101	मंगल 07/06/2119	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 14 वर्ष 2 मा 9 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरुष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरुद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।